आज प्रबंधन से ज्यादा नेतृत्व क्षमता जरूरी

रांची। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) में छात्रों से रू-ब-रू होते हुए जनरल वीके सिंह ने सेना की वीरता की गाथा सुनायी। उन्होंने कहा कि सेना के ऑपरेशन में लाशें गिनने का काम नहीं होता। सेना सिर्फ हमला करती है। भारत ने तीन ठिकानों को टारगेट कर उस पर एयर स्ट्राइक कर उसे तबाह किया।

इस मौके पर छात्रों द्वारा पूछे गए सवालों का भी जनरल वीके सिंह ने बड़े सरल भाव से जवाब दिया। उन्होंने छात्रों के अंदर पैदा हो रहे कौतूहल को दूर करने का प्रयास किया और कहा कि युवा ही देश को बदल सकते हैं।

लीडरशिप ही सफलता की कुंजी : जनरल ने छात्रों से कहा वे लीडरशिप को ज्यादा प्राथमिकता दें। उन्होंने छात्रों को लीडरशिप के लिए आत्मविश्वास, संचार और कुछ करने की इच्छाशक्ति होने की जरूरत पर बात कही। उन्होंने सैनिकों का उदाहरण देते हुए कहा कि सेना से बेहतर शासन करना और बेहतर लीडरशिप के बारे में जाना जा सकता है।

छात्रों से पूछे सवाल : वीके सिंह ने छात्रों से पूछा कि क्या उन्हें आज के दौर में कोई बदलाव दिखता है। जवाब में काफी छात्रों ने कहा कि बदलाव हुए हैं। उन्होंने बताया कि सरकार भी मिनिमम गर्वमेंट और मैक्सिमम गर्वनेंस पर काम कर रही है। जिसमें हर वर्ग के विकास का काम हो रहा है। छात्रों ने भी एयर स्ट्राइक और पुलवामा से जुड़े कई सवाल किए। जिसका जवाब उन्होंने दिया।

Hindustan, 06.03.2019, Pg. 20